एक्सप्रेस व्यूज़

R.N.I.NO.: UPHIN/2019/77214

वर्ष : 07 अंक : 10 पीलीभीत, अक्टूबर 2025 (हि0मा0) पृष्ठ 8 मूल्य :5 रूपया

देश में बीएसएनएल का 4जी नेटवर्क लॉन्च ,सीएम ने लाइव टेलीकास्ट देखा

बोले, हम टेक्नोलॉजी में दुनिया को लीड कर रहे

लखनऊ (संवाददाता)। पीएम मोदी ने आज ओडिशा के झारसुगुड़ा से देश का पहला पूरी तरह से स्वदेशी 4ळ नेटवर्क लॉन्च कर दिया। इस महाआयोजन का लाइव टेलीकास्ट लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान (आईजरपी) में भी किया गया। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ऐतिहासिक मौके पर मौजूद रहे। सीएम योगी ने कहा बीएसएनएच की इस पहल से यूपी को विशेष सौगात मिली है। प्रदेश के ऐसे 240 गांवों को पहली बार हाई-स्पीड नेटवर्क मिलेगा जो अब तक कनेक्टिविटी से दूर थे। प्रधानमंत्री मोदी ने पूरे देश में 97,500 मोबाइल टावर और 443 स्वदेशी टॉवरों का उद्घाटन किया। यूपी के सीमावर्ती और पिछड़े क्षेत्रों तक भी डिजिटल सेवाएं पहुंचाई जाएंगी, जहां अब तक या तो फोन कनेक्टिविटी बिल्कुल नहीं थी या फिर लोग केवल 2जी नेटवर्क तक ही सीमित थे। बीएसएनएच के सीजीएम एके गर्ग ने कहा पीएम मोदी ने ओडिशा से 57500 4जी टावर का उद्घाटन किया। यूपी में बीएसएनएच 6659 साइट पर 4जी मोबाइल सेवा शुरू कर रही है। डेटा कंजम्पशन तेजी से बढ़ रहा है। सोनभद्र जैसे जिलों में जहां उग्रवादियों का पहले प्रभाव रहा है, वहां भी 4जी सेवा मिलनी शुरू होगी। केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कहा भारत आज ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर रहा है। कोविड के सामने हमने पहली स्वदेशी वैक्सीन बनाई। यूपीआई के भी हम दुनिया मे सबसे आगे। हमारा स्वदेशी चंद्रयान भी अद्भुत है। 4जी सेवा का लॉन्च केवल तकनीकी सफलता नहीं, ये दुनिया के महज 5 देशों की उस श्रेणी में शामिल कर रहा है जो खुद का 4जी नेटवर्क बनाने में सफल रहा है। उस समय केवल 4 देश, चीन, फिनलैंड, स्वीडन और दक्षिण कोरिया के पास भी 4जी के मैनुफैक्चरिंग इक्विपमेंट थे। महज 2 साल में बीएसएनएच ने ये स्वदेशी नेटवर्क डेवलप किया है। अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस जैसे देश जो न कर सके वो हमने रिकॉर्ड समय मे कर दिखाया है। और इस नेटवर्क को 5जी में कन्वर्ट करने की क्षमता भी होगी। सीएम योगी ने कहा किसी भी देश को खुद की सेना, अच्छी विदेश नीति, स्वयं की तकनीकी, और भ्रष्टाचार पर वार की क्षमता बेहद जरूरी है। भारत की सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली और समर्थवान सेना है। भारत दुनिया के किसी भी देश से डरेगा नही और झुकेगा नहीं। ऐसे ही खुद के नेटवर्क के जरिए बेहद सेफ है। आज भारत दुनिया मे तकनीकी का पिछलग्गू नहीं, बल्कि लीडर बनकर उभरा है। आज भारत डिजिटल पेमेंट के जरिये दुनिया में लीड कर रहा है। मुझे याद है 2017 में जब मुख्यमंत्री का दायित्व मिला तब भारत नेट के जरिये काम हो रहे थे।

ओडिशा को पीएम ने दी करोड़ों की सौगात

झारसुगुड़ा में कई परियोजनाओं का किया उद्घाटन

भुवनेश्वर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओडिशा के दौरे पर हैं, इस कड़ी में वे राज्य के झारसुगुड़ा जिले में पहुंचे हैं। जहां पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री मोहन चरण माजी ने उनका मंच पर स्वागत किया है। पीएम मोदी ने यहां 60 हजार करोड़ रुपये की तमाम परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज ओडिशा के झारसुगुड़ा पहुंचे हैं। जहां उन्होंने कई क्षेत्रों में 60,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है। इनमें दूरसंचार, रेलवे, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास और ग्रामीण आवास जैसे कई क्षेत्रों की परियोजनाएं शामिल हैं। 97500 से अधिक मोबाइल 4जी टॉवर्स का उद्घाटन देश के संचार तंत्र को मजबूत करने के लिए, प्रधानमंत्री ने 97500 से अधिक मोबाइल 4जी टॉवर्स का उद्घाटन किया। इन टॉवर्स का निर्माण लगभग 37000 करोड़ रुपये की लागत से स्वदेशी तकनीक के साथ किया गया है। इसके जरिए दूरदराज, सीमावर्ती और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के 26,700 से अधिक गांवों में कनेक्टिविटी पहुंचाई जाएगी। प्रधानमंत्री ने आठ आईआईटी के विस्तार के लिए शिलान्यास भी किया, जिससे आने वाले चार वर्षों में 10000 नए छात्रों के लिए क्षमता तैयार होगी। साथ ही, उन्होंने तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को मजबूत करने के लिए ओडिशा सरकार की कई पहलों की शुरूआत भी की। पीएम ने अमृत भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी ओडिशा झारसुगुड़ा से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रह्मपुर और उधना (सूरत) के बीच अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई, जो राज्यों में किफायती और आरामदायक संपर्क प्रदान करेगी, पर्यटन को बढ़ावा देगी, रोजगार के अवसर पैदा करेगी और प्रमुख आर्थिक जिलों को जोड़ेगी। राज्यपाल और सीएम ने किया पीएम मोदी का सम्मान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को झारसुगुड़ा में राज्यपाल डॉ. हरिबाबू कंभमपति और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सम्मानित किया। ओडिशा दौरे को लेकर पीएम मोदी का ट्वीट वहीं अपने इस दौरे से पहले पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का उद्घाटन करने के लिए ओडिशा के झारसुगुड़ा में रहूंगा।

संघ की प्रार्थना मातृभूमि के प्रति समर्पण का सामूहिक संकल्प है :मोहन भागवत

नागपुर (एजेंसी)। प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' भारत माता की प्रार्थना और देश एवं ईश्वर के प्रति संघ के स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि संगठन की 'प्रार्थना' देश और ईश्वर के प्रति स्वयंसेवकों का सामूहिक संकल्प है। मोहन भागवत ने यह बात संघ की प्रार्थना का ऑडियो जारी करने के मौके पर कही। नागपुर में आयोजित कार्यक्रम में मोहन भागवत ने संघ की प्रार्थना का ऑडियो जारी किया। प्रार्थना को गायक शंकर महादेवन ने गाया है। हिंदी में इसकी व्याख्या हरीश भिमानी और मराठी में अभिनेता सचिन खेड़ेकर ने की है। इस मौके पर भागवत ने कहा, यह भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण की अभिव्यक्ति है। यह प्रार्थना इस बात की है कि हम देश को क्या दे सकते हैं और फिर ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि हमें देश की सेवा करने में मदद करें। उन्होंने कहा कि ऑडियो के माध्यम से यह प्रार्थना अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचेगी। भागवत ने कहा कि यह प्रार्थना एक ऐसी भावना है, जो स्वयंसेवकों को भारत माता के प्रति भक्ति, प्रेम और समर्पण के सामूहिक संकल्प में सहारा देती है।

माउंट आबू में राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन 2025 का शुभारंभ

आबूरोड (राजस्थान) (एजेंसी)। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मीडिया विंग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय मीडिया महासम्मेलन का राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने शुभारंभ किया। इसमें देशभर से प्रिंट, इलेक्ट्रानिक, रेडियो और वेब मीडिया से जुड़े 1500 से अधिक पत्रकार, संपादक और संवाददाता भाग ले रहे हैं। चार दिन तक चलने वाले इस महासम्मेलन में शांति, एकता और विश्वास विषय पर विमर्श किया जाएगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि समाज में शांति, एकता और विश्वास को बढ़ावा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया लोकतंत्र की जड़ों को सींचकर सदा हरा रखने का कार्य करता है। भारत के लोगों के रक्त में ही लोकतंत्र है। चन्द्रगुप्त के राज्य में पाटलिपुत्र में नगर पंचायत में 30 सदस्य चुनकर आते थे। मैंने इसके बारे में पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी की किताब भारत एक खोज में पढ़ा। लोकतंत्र में जो चुनकर आते हैं, जाति के आधार पर नहीं, विचार और देशहित के आधार पर चुनाव लड़े तो लोकतंत्र और मजबूत होगा। मीडिया को इस पर फोकस करना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज एक आध्यात्मिक विश्वविद्यालय है। प्राचीन भारतीय संस्कृति ज्ञान का प्रचार-प्रसार करता रहा है। ब्रह्माकुमारीज संस्था महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। संस्था नशामुक्ति, पर्यावरण जागरण, अंधविश्वास दूर करने का भी काम कर रही है। ब्रह्माकुमारीज संस्कृति बचाने का कार्य कर रही है।

वैश्विक व्यापार के महाकुंभ में दीदियों के उत्पादों के व्यापार के मामले में मिल रही ग्लोबल पहचानः मौर्य

लखनऊ (संवाददाता)। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निदेर्शों के क्रम में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेन्टर एवं मार्ट में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सभी 75 जनपदों में गठित समूहों के द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है इन समूह के द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं उसका विपणन ट्रेड शो में किया जा रहा है।आजीविका मिशन के स्टालों पर पर भारी भीड़ आ रही है। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि ट्रेड शो में आने वाली समूह की दीदियों को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के विपणन हेतु एक बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है एवं उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को एक अच्छा बाजार मिलने की संभावना बढ़ेगी।इससे दीदियों के उत्पादों के व्यापार व सम्भावनाओं के मामले में ग्लोबल पहचान मिल रही है। देश, दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के हुनर को प्रदर्शित किया जा रहा है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 एक्सपो मार्ट एवम बालिनी आदि के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा मिशन से जुड़ने की इच्छा भी प्रकट किया, साथ ही साथ समूहों द्वारा उत्पादित उत्पाद यथा- मसाले, मुरब्बा, अचार, परिधान, जरी जरदोजी आदि का क्रय भी बड़ी मात्रा में किया गया। यूपी इण्टरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण मे एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा सभी 75 जनपदों के चयनित 75 स्वयं सहायता समूहो द्वारा उनके बनाये गए उत्पादों यथा जूट का सामान ,जरी साड़ी, ज्वेलरी, चिकन कारी- सारी, सूट, नमकीन, टेराकोटा का समान, चमड़े का सामान एवं बलिनी के उत्पाद का विक्रय एवं प्रदर्शन किया जा रहा है।मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि ट्रेड शो राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वय सहायता समूहों की महिलाओ हेतु एक बहुत बड़ा अवसर है जहां उनके द्वारा बनाए उत्पादों को विक्रय करने का सुअवसर मिला है और समूह की महिलाओ को अच्छा मुनाफा प्राप्त होगा।आज अपराह्न 3 बजे तक लगभग 6.25 लाख रुपए से अधिक के सामानो के विक्रय इन स्टालो के माध्यम किया जा चुका है जो कि प्रतिदिन बढ़ने के आसार हैं इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के अलग-अलग कोनों से आई महिलाएँ अपने हाथों से बने स्वादिष्ट व्यंजन और पारंपरिक फूड प्रोडक्ट्स लेकर यहाँ पहुँची हैं,यह सिर्फ खाने की चीजें नहीं, बल्कि उनकी मेहनत, आत्मनिर्भरता और सपनों की पहचान हैं। जिनको ट्रेड शो मे आने वाले खरीददारों द्वारा इन महिलाओं को आर्थिक मजबूती देती है और उनके परिवारों को नई रोशनी।

लैब टेक्नीशियन भर्ती में बड़ा घोटाला, विज्ञापन में खेल

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग में एक्सरे टेक्नीशियन के बाद अब लैब टेक्नीशियन एलटी की भर्ती में भारी घोटाले की शिकायत हुई है। एक पिता की तीन से चार संतानों को लैब टेक्नीशियन बना दिया गया है। कई लोगों के पते समान हैं। जांच रिपोर्ट 17 सितंबर को शासन को भेजी गई है। स्वास्थ्य विभाग में 2007 में 572 लैब टेक्नीशियन की भर्ती की गई। इनमें 35 चयनितों में कई परिवारों के एक से अधिक लोगों का चयन किया गया। इनके रोल नंबर भी एक साथ हैं। लैब टेक्नीशियनों के पिता का नाम, पता और अन्य विवरण संदेहास्पद हैं।एक ही जिले से अधिक संख्या में अभ्यर्थियों के चयन से स्पष्ट है कि इसमें भाई-भतीजावाद और अनुचित लाभ लेकर चयन किया गया है। ये नियुक्तियां अधिक आयु वाले अभ्यर्थियों का चयन कर की गई। शासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के तत्कालीन आयुक्त राजेश कुमार ने जांच की। 17 सितंबर को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव को जांच रिपोर्ट भेजी है। संदेहास्पद तथ्यों को उजागर करते हुए उच्चस्तरीय जांच की संस्तुति की है।चयनित लैब टेक्नीशियन के तमाम परिजन और रिश्तेदार स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत हैं। एलटी के पिता का नाम पता और जिला समान होने से स्पष्ट है कि सीमित आवेदन लेकर एक ही परिवार के सगे संबंधियों को नियुक्ति दी गई है।जांच में पता चला है कि भर्ती संबंधी विज्ञापन दो अखबारों में प्रकाशित किया गया है, लेकिन पत्रावलियों में विज्ञापन प्रकाशित नहीं मिला है। स्पष्ट है कि पदों पर चयन का प्रसार नहीं किया गया। चयनितों के रोल नंबर रैंडम नहीं होकर एक ही क्रम में हैं, जो पारदर्शी चयन प्रक्रिया में संभव नहीं है।चयनितों में सर्वाधिक लखनऊ के 56 हैं। प्रयागराज के 41, बस्ती के 38, हरदोई के 27, आजमगढ़ व देवरिया के 25-25, बलिया के 23, महराजगंज व सिद्धार्थनगर के 21-21, गोरखपुर व कुशीनगर के 15-15 हैं।

मोबाइल चार्जर के विवाद में किराएदार ने ताना नकली कट्टा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के ऐशबाग इलाके में चार्जर लगाने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी ने कट्टा तान दिया। पीड़िता का आरोप है कि 2 भाइयों के झगड़े में पड़ोस में रहने वाले किराएदार ने नकली कट्टा तानकर गाली गलौज करने लगा। परिजनों और मोहल्ले वालों के हस्तक्षेप पर हमलावर मौके से भाग निकला। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया। बाजारखाला के करेहटा शर्मा बिल्डिंग के रहने वाले मीरा देवी ने बताया उनके दोनों बेटे मोबाइल चार्जर को लेकर आपस में बहस कर रहे थे। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला किराएदार अकरम अली खान वहां पहुंचा और नकली कट्टा लेकर उनके बेटे लाला उर्फ रितेश पर जान से मारने की नीयत से तान दिया। विरोध करने पर गाली-गलौज करते हुए मारपीट भी की। लखनऊ के ऐशबाग इलाके में चार्जर लगाने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी ने कट्टा निकाल लिया। लोगों ने बीचबचाव किया।पुलिस कर रही आरोपी की तलाशपीड़िता का कहना है कि आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर उनके बेटे की जान बचाई। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना से परिवार सहम गया है। आसपास के लोगों में भी दहशत है। मामले में इंस्पेक्टर बाजारखाला का कहना है कि पुलिस में मुकदमा दर्ज करके आरोपी को जेल भेजने की कार्यवाही की जा रही है।

कांग्रेस नेता आसिफ रिजवी ने लगवाया पोस्टर, आजम खान की रिहाई पर दी मुबारकबाद

लखनऊ (संवाददाता)। आजम के सीतापुर जेल से 23 माह बाद रिहा होने के बाद उनसे मिलने के लिए कई नेता उनके घर पहुंच रहे हैं। कुछ नेता बाहर आने के बाद उन्हें पोस्टर के माध्यम से बधाई दे रहे हैं।इसी कड़ी में कांग्रेस नेता आसिफ रिजवी ने भी राजधानी लखनऊ में पोस्टर लगाए हैं। पोस्टर के माध्यम से आजम को उन्होंने बधाई दी है। पोस्टर पोस्टर में आजम खान, राहुल गांधी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय की फोटो लगाई गई है। जिस पर लिखवाया- संघर्स हमारा जारी रहेगा। आप को बता दें कि इससे पहले आजम खान कि रिहाई पर खुशी जताते हुए समर्थकों ने लखनऊ में पार्टी मुख्यालय के बाहर एक बड़ा बैनर लगाया था। सपा नेता मोहम्मद इकलाख की तरफ से लगाए गए इस पोस्टर में लिखा गया है, आजम लौटे, ये एक नई सुबह की पहचान है, गौर से सुनो...हवाओं में सरकार बदलने का ऐलान है इकलाख की तरफ से लगाए गए इस पोस्टर में मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, आजम खान, शिवपाल सिंह यादव, बदायूं से सांसद आदित्य यादव और दो अन्य नेताओं की तस्वीरें भी शामिल की गई है। इस बैनर ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। बैनर में संदेश लिखा है कि कुछ उसूलों का नशा था कुछ मुकद्दस ख्वाब थे..हर जमाने में शहादत के यही अस्बाब थे.. आजम लौटे, ये एक नई सुबह की पहचान है, गौर से सुनो...हवाओं में सरकार बदलने का ऐलान है। गौरतलब है कि आजम खान को उनके खिलाफ दर्ज सभी मामलों में जमानत मिलने के बाद 23 सितंबर को सीतापुर जेल से रिहा किया गया था। वे करीब 23 महीने जेल में रहे, जहां उन्हें कई मामलों में सजा और जमानत की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है। एक दिन पूर्व उनके जेल से रिहा होने पर उनके समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। रिहा होने के बाद आजम खान सीधे अपने घर पहुंचे। वहीं आजम की रिहाई के बाद 8 अक्टूबर को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव उनसे मिलने रामपुर भी जाएंगे।

विवादित स्कूल में एसडीएम और पुलिस की मौजूदगी में शुरू हुई पढ़ाई

लखनऊ (संवाददाता)। जिलासीतापुर अंतर्गत महमूदाबाद के प्राथमिक विद्यालय नदवा में शनिवार सुबह पढ़ाई पटरी पर लौट आई है। सुबह करीब 7.30 बजे एसडीएम बीके सिंह भारी पुलिस के साथ स्कूल पहुंचे और स्कूल खुलवाया। उनके साथ पूर्व में निर्लबित शिक्षक संतोष वर्मा भी आए। संतोष वर्मा को देख बच्चे चहक उठे। शिक्षक को अपने बीच पाकर बच्चे पढ़ने को तैयार हो गए। अधिकारियों की मौजूदगी में प्रार्थना करे गई। इसके बाद शिक्षण कार्य शुरू करा दिया गया। एसडीएम बीके सिंह ने कहा कि बच्चों का भविष्य हमारी प्राथमिकता है।बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह को बेल्ट से पीटने वाले शिक्षक बृजेंद्र कुमार वर्मा का प्रकरण लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय नदवा में लगातार तीसरे दिन पढ़ाई ठप रही। एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी की जांच के दौरान शुक्रवार को विद्यालय में तीन बच्चे बेहोश हो गए जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया और कुछ देर बाद डिस्चार्ज कर दिया गया।एडी बेसिक ने बच्चों व अभिभावकों को समझाया, लेकिन बच्चे बृजेंद्र वर्मा के वापस आने पर ही पढ़ाई करने की मांग पर अड़े रहे। दोपहर बाद एडी बेसिक बीएसए कार्यालय पहुंचे। कर्मचारियों व कुछ शिक्षकों के बयान दर्ज किए। जिन शिक्षकों ने बीएसए दफ्तर में आरोपी प्रधानाध्यापक को पीटा था वह बयान देने ही नहीं आए। बीएसए के पक्ष में बोलने वाले लोगों के ही एडी बेसिक ने बयान लिए। प्राथमिक विद्यालय नदवा में सुबह ही शिक्षामित्र अनुराग श्रीवास्तव ने स्कूल खोल दिया। बच्चे ड्रेस पहनकर विद्यालय के बाहर पहुंचे लेकिन वह अंदर बैठकर पढ़ने को राजी नहीं हुए। शिक्षामित्र ने बच्चों को बुलाया और अभिभावकों से बात की लेकिन कोई विद्यालय के अंदर जाने को तैयार नहीं हुआ। कई घंटे तक शिक्षामित्र विद्यालय में अकेले बैठे रहे। ग्रामीण विद्यालय के बाहर खड़े रहे। इस वजह से तीसरे दिन भी पढ़ाई ठप रही।कुछ देर बाद एडी बेसिक श्याम किशोर तिवारी जांच करने पहुंचे। इस दौरान विद्यालय के बाहर खड़े बच्चे धूप में गश खाकर बेहोश हो गए। प्रीती, नरेंद्र व सुनैना को ग्रामीणों ने पेड़ की छांव में लिटाया। गोडैच्चा चौकी इंचार्ज शिवम सिंह के वाहन से उन्हें निजी चिकित्सक के यहां भर्ती कराया गया। इसके बाद एडी बेसिक ने बच्चों व अभिभावकों के बयान लिए।अभिभावकों से कहा कि अपने बच्चों का भविष्य खराब मत करिए रोजाना स्कूल भेजिए। इस मामले में जो भी दोषी होगा, कार्रवाई होगी। शाम करीब चार बजे एडी बेसिक ने बीएसए व डीआईओएस के साथ बीएसए कार्यालय में कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। इस दौरान कई ऐसे शिक्षक नेताओं ने बयान दिए, जो घटनाक्रम के दौरान न तो वह वहां पर थे और न ही बाद में आए थे।

सेवा चयन आयोग बनने के बाद नही हुई कोई भर्ती

लखनऊ (संवाददाता)। जबसेशिक्षा सेवा चयन आयोग बना है, तब से कोई भर्ती नहीं हो सकी है। चयन के एक साल बाद ही गत शुक्रवार को आयोग की अध्यक्ष प्रफेसर कीर्ति पांडेय का इस्तीफा हो गया। अब तो नए अध्यक्ष चुने जाने के बाद ही भर्ती की कोई प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। शिक्षा के विभिन्न विभागों में कई साल से पद खाली हैं, लेकिन भर्ती का इंतजार खत्म ही नहीं हो रहा है। पहले शिक्षा से जुड़े विभागो के अलग-अलग बोर्ड और आयोग थे। वे अपने स्तर से भर्तियां करते थे। प्रदेश सरकार ने सभी को मिलाकर एक आयोग के गठन का निर्णय लिया। तब से सभी भर्तियां पूरी तरह रुक गई। 23 अगस्त2023 को शिक्षा सेवा चयन आयोग का गठन किया गया। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा को कार्यवाहक अध्यक्ष बनाया गया। मार्च 2024 में आयोग के 12 सदस्यों का चयन किया गया। प्रोफेसर कीर्ति पांडेय का चयन एक सितंबर 2023 को अध्यक्ष पद पर किया गया। विभिन्न विभागों से अधियाचन मांगे गए, उसमें ही काफी वक्त लगा।माध्यमिक शिक्षा की कुछ भर्तियों के लिए तारीख घोषित की गई, लेकिन हर बार किसी न किसी वजह से परीक्षा टल गई। अब अध्यक्ष का ही इस्तीफा हो गया। नए अध्यक्ष के चयन में वक्त लगेगा। उसके बाद ही भर्तियों की प्रक्रिया आगे बढ़ेगे। वरिष्ठतम सदस्य को अध्यक्ष का कामकाज संभालने के निर्देश दिए गए है।प्रदेश सरकार ने नए अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू की है। 21 अक्टूबर तक आवेदन मांगे गए है। अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होगा, अधिकतम आयु 65 वर्ष होगी। इस पद के लिए जरूरी है कि आवेदक आईएएस अफसर, किसी विश्वविद्यालय का कुलपति या किसी विश्वविद्यालय में बतौर प्रफेसर 10 साल का अनुभव और तीन साल का प्रशासनिक अनुभव रखता हो।

अजय राय ने बरेली विवाद की निंदा की, कहा,सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए यह सब कुछ करवा रही

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को बरेली विवाद की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह साजिश है। जिसे जानबूझकर भड़काया जा रहा है। उन्होंने समाचार एजेंसी से बातचीत में कहा, सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए यह सब कुछ करवा रही है। पुलिस की तरफ से यह लाठी चलवाई गई है, जो कि मैं समझता हूं कि पूरी तरह से निंदनीय है। इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। इसकी जितनी निंदा की जाए, कम है। उन्होंने कहा कि सरकार की इजाजत के बगैर एक पत्ता भी नहीं हिलेगा। सरकार जब चाहती है, तो हमें हाउस अरेस्ट करवा लेती है। आपने यह सब कुछ जानबूझकर होने दिया। इसका मतलब है कि यह सब कुछ किसी की शह पर किया जा रहा है, जो कि पूरी तरह से गलत है, जिसकी आड़ में यह लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश करते हैं। वहीं, आई लव मोहम्मद अभियान पर अजय राय ने कहा कि हिंदुस्तान में हर व्यक्ति को अपने ईश्वर से प्यार करने का पूरा अधिकार है। लेकिन, यह अफसोस की बात है कि इसमें राजनीति का रंग घोलने की कोशिश की जा रही है, जो कि बिल्कुल भी उचित नहीं है।

धर्म के नाम पर यूपी का माहौल बिगाड़ रही भाजपा सरकारः संजय

लखनऊ (संवाददाता)। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार धर्म और त्योहारों के नाम पर समाज में तनाव फैलाकर बेरोजगारी, किसानी, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसे असली मुद्दों को दबाने के लिए धर्म के नाम पर झगड़े का खेल चला रही है। इस साजिश में भाजपा की नफरती सरकार और तथाकथित धर्मगुरु शामिल हैं । साजिशों से सावधान नही हुए तो हिस्से में सिर्फ बबार्दी आएगी।संजय सिंह ने शनिवार को कहा कि नौजवान पेपर लीक और रोजगार संकट के खिलाफ लगातार संघर्ष कर रहे हैं, किसान बदहाली झेल रहे हैं और लद्दाख में पूर्ण राज्य की मांग उठाने वाले आंदोलनकारियों को दबाने के लिए प्रख्यात समाजसेवी सोनम वांगचुक को एनएसए जैसे कठोर कानून में कैद कर दिया गया, लेकिन इन सब मुद्दों पर चुप्पी साधकर भाजपा नए-नए धार्मिक विवाद खड़े करती है। गोदी मीडिया भी बौद्धिक आतंकवाद से नफरत का जहर घोलने में लगा है ताकि जनता के असली सवाल दबे रह जाएं। ईद, बकरीद, होली, दिवाली, नवरात्र जैसे हर त्यौहार से पहले तनाव खड़ा कर दिया जाता है। जनता साजिश से सावधान नहीं हुई तो हिस्से में सिर्फ बबार्दी ही आएगी। भाजपा को न अस्पताल बनाने से मतलब है, न शिक्षा देने से, न रोजगार पैदा करने से और न व्यापार बढ़ाने से। मोदी सरकार का असली एजेंडा है जनता को चौपट करना और असली मुद्दों से ध्यान भटकाना।

इस साल जंगल की आग से मिली राहत पर मानसून की बारिश ने पहुंचाया नुकसान, उखड़े पेड़ों की होगी गिनती

देहरादून । आपदा से उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल के आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 100 से 120 हेक्टेयर जंगल को नुकसान पहुंचा है। वन विभाग अब नदियों, गदेरों में बहकर आए वृक्षों और जंगल में बारिश से गिरे वृक्षों की गिनती का काम शुरू करेगा। प्रदेश में हर साल वनाग्नि मुसीबत बनती है। आग वनों और वन संपदा को अत्य धिक नुकसान पहुंचाती है। इस साल गर्मियों में वनाग्नि से कुछ राहत मिली थी। लेकिन मानसून में हुई बारिश से उफनाए नदी-गदेरों ने जंगलों को काफी नुकसान पहुंचाया है। नदियां भू-कटाव कर जंगलों के कई हिस्से को बहा ले गईं। इसमें पैदल मार्ग, अश्व मार्ग और वन मोटर मार्ग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। वहीं प्लांटेशन के तहत लगाए गए पौधों को भी नुकसान पहुंचा है। साथ ही कई पेड़ उखड़ कर गिर गए। वहीं आपदा से उत्तरकाशी के धराली और हर्षिल के आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 100 से 120 हेक्टेयर जंगल को नुकसान पहुंचा है। वन विभाग अब नदियों, गदेरों में बहकर आए वृक्षों और जंगल में बारिश से गिरे वृक्षों की गिनती का काम शुरू करेगा।

जंगल की आग का सीजन शुरू होने के साथ ही वन विभाग की आंख आसमान पर टिक जाती है, कब बारिश होगी और जंगल की आग से राहत मिलेगी। तमाम कोशिशों के बाद भी जंगल की आग बादलों के पहुंचने के बाद ही पूरी तरह शांत हो पाती है। मानसून आने के बाद ही वन विभाग का फायर सीजन समाप्त होता है। लेकिन प्रदेश में इस बार बारिश का क्रम लगातार चलता रहा है जिस कारण जंगल की आग तुलनात्मक तौर पर कम रही। जुलाई से लेकर सितंबर में जमकर बारिश हुई, जिससे कई जगह पर आपदा आई। इससे वन क्षेत्र में भी नुकसान पहुंचा है। वन मोटर मार्ग से लेकर वन चौकी तक नुकसान बारिश से वन मोटर मार्ग, अश्व व पैदल वन मार्ग और वन चौकी, वन कर्मियों के लिए बने रेंज कार्यालय परिसर, चौकी, आवासों को भी क्षति हुई है। चैक डैम, अमृत सरोवर, सिंचाई के लिए बिछाए गए पाइप लाइन आदि को नुकसान हुआ है। कई जगह प्लांटेशन के काम पर पानी फिरा तराई केंद्रीय वन प्रभाग के रुद्रपुर रेंज में पौधरोपण हुआ पर इस क्षेत्र में जलभराव होने से प्लांटेशन को नुकसान पहुंचा है। इसी तरह चंपावत वन प्रभाग के बूम रेंज में रुद्राक्ष के पौधों को लगाया गया था वे बर्बाद हो गए। तराई पश्चिम वन प्रभाग के बन्नाखेड़ा रेंज में चूनाखान नाले से वन क्षेत्र में भारी कटाव हुआ है। जौलासाल रेंज में कालेरिया नदी का जलस्तर बढ़ने से जंगल में क्षति हुई। गड़प्पू में बौर नदी ने काफी भू-कटाव किया है, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचा है। डीएफओ हरिद्वार स्वप्निल अनिरुद्ध कहते हैं कि भू-कटाव से श्यामपुर, चिड़ियापुर रेंज में जंगल को नुकसान हुआ है। इसके अलावा वन मोटर मार्ग को क्षति हुई है। उत्तरकाशी। जनपद के धराली और हर्षिल सहित यमुनाघाटी में आई आपदा के कारण वन संपदा को भारी क्षति पहुंची है। हालांकि इन क्षेत्रों में शीतकाल में होने वाली बर्फबारी से भूस्खलन का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है, लेकिन भविष्य में इसके दोबारा होने की संभावना बनी हुई है। गंगोत्री रेंज अधिकारी यशवंत चौहान ने बताया कि अगस्त में आई आपदा से धराली और हर्षिल के आरक्षित वन क्षेत्र में करीब 100 से 120 हेक्टेयर जंगल को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 1500 से 1800 तक छोटे-बड़े पेड़ भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। चौहान ने कहा कि यह केवल एक प्रारंभिक आकलन है। अधिकारी ने आगे बताया कि जल्द ही पूरे आरक्षित वन क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया जाएगा जिसके बाद नुकसान की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। आपदा के दौरान एक प्लांटेशन को भी नुकसान पहुंचा है जिसका भी आकलन किया जा रहा है।

भूस्खलन-भूधंसाव से कई हेक्टेयर जंगल नष्ट, रैणी आपदा में भी ऋषि गंगा के बहाव से बह गया था बड़ा हिस्सा

गोपेश्वर (चमोली)। गोपेश्वर के धिंघराण सड़क रौली ग्वाड़ में जंगल का बड़ा हिस्सा भूधंसाव की चपेट में आ गया है। कई पेड़ धरासायी हो गए हैं। विभाग आपदा में जंगलों को हुए नुकसान के आंकड़ों को जुटाया जा रहा है। चमोली जनपद में भूस्खलन और भूधंसाव से बड़ी मात्रा में जंगलों को भी नुकसान पहुंचा है। नंदानगर क्षेत्र में सबसे अधिक जंगलों को क्षति पहुंची है। जिस बिनसर पहाड़ी से धुर्मा और कुंतरी गांव में बादल फटने के बाद मलबा गांवों तो पहुंचा, उसमें कई हेक्टेयर वन संपदा भी नष्ट हुई है। नंदानगर के मोक्ष गदेरे के बहाव में भी काफी नुकसान हुआ है। गदेरे का जलस्तर कम होने पर यहां कई पेड़ों के अवशेष पड़े दिख रहे हैं। गोपेश्वर के धिंघराण सड़क रौली ग्वाड़ में जंगल का बड़ा हिस्सा भूधंसाव की चपेट में आ गया है। जिससे कई पेड़ धरासायी हो गए हैं। चमोली में 2021 में घटित रैणी आपदा में भी ऋषि गंगा के बहाव में कई हेक्टेयर हिस्से में पेड़ टूटकर बह गए थे। अभी तक भी यहां वन क्षेत्र की सुरक्षा के कोई उपाय नहीं किए गए हैं। केदारनाथ वन्यजीव प्रभाग के डीएफओ सर्वेश दुबे ने बताया कि आपदा में जंगलों को हुए नुकसान के आंकड़ों को जुटाया जा रहा है।

मौसम खुला तो यात्रा ने पकड़ी रफ्तार, दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 45 लाख पार

देहरादून । 30 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। दो मई को केदारनाथ व चार मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खुले थे। लेकिन बीते दिनों आपदा के कारण यात्रा थमी रही। चारधाम यात्रा में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा 45 लाख पार हो गया है। बारिश से राहत मिलने के बाद यात्रा फिर से रफ्तार पकड़ने लगी है। एक दिन में चारधाम के अलावा हेमकुंड साहिब में 13 हजार से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर रहे हैं। 30 अप्रैल को गंगोत्री व यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हुआ था। दो मई को केदारनाथ व चार मई को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद यात्रा पूर्ण से संचालित हुई, लेकिन खराब मौसम और प्राकृतिक आपदाओं से चारधाम यात्रा स्थगित करनी पड़ी। पांच अगस्त को धराली क्षेत्र की आपदा से गंगोत्री व यमुनोत्री धाम की यात्रा पूरी तरह से बंद रही। आपदा की चुनौतियों से पार पाकर चारधाम यात्रा दोबारा से पटरी पर लौट आई है। हालांकि चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन स्थान पर सड़क क्षतिग्रस्त होने से श्रद्धालुओं को सफर के दौरान परेशानी भी झेलनी पड़ रही है। इसके बावजूद श्रद्धालु दर्शन के लिए धामों में पहुंच रहे हैं। चारधाम यात्रा में अब तक 45.25 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। जबकि पिछले साल 46 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। ऑफलाइन पंजीकरण की संख्या भी बढ़ी चारधाम यात्रा करने के लिए श्रद्धालुओं का पंजीकरण अनिवार्य है। पर्यटन विभाग ने ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन पंजीकरण की सुविधा दी है। आपदा के दौरान ऑफलाइन पंजीकरण केंद्रों में सन्नाटा से पसरा रहा। अब पंजीकरण करने के लिए श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को हरिद्वार, ऋषिकेश, हरबर्टपुर केंद्रों में 1480 श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया गया।

लापता लोगों को मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की केंद्र ने दी मंजूरी, 67 लोगों का नहीं लगा सुराग

देहरादून । उत्तरकाशी जिले के धराली व हर्षिल क्षेत्र में आई आपदा में लापता लोगों को मृत्यु पंजीकरण कर प्रमाण पत्र जारी करने के लिए गृह मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। शासन ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया के लिए अभिहित व अपीलीय अधिकारी नामित कर दिए है। मृत्यु पंजीकरण के बाद लापता लोगों के परिवार को आपदा राहत के तहत आर्थिक सहायता मिल सकेगी। पांच अगस्त को धराली आपदा से खीर गंगा में आए मलबे में सब कुछ दफन हो गया था। आपदा में 67 लोग लापता हैं, जिनका 51 दिन बाद भी कोई पता नहीं लगा है। प्रदेश सरकार ने आपदा में लापता लोगों का मृत्यु पंजीकरण करने के लिए मानकों में छूट देने को गृह मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा था। महारजिस्ट्रार गृह मंत्रालय ने लापता लोगों का मृत्यु पंजीकरण करने की अनुमति दे दी है। सचिव स्वास्थ्य डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि उत्तरकाशी जिले के धराली व हर्षिल क्षेत्र में आई आपदा में लापता लोगों के मृत्यु पंजीकरण के लिए मिली है। पंजीकरण की प्रकिया के लिए उप जिलाधिकारी को अभिहित अधिकारी व जिलाधिकारी को अपीलीय अधिकारी नामित किया गया। जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के तहत के लापता व्यक्ति को सात साल के बाद मृतक घोषित करने का प्रावधान है। 2021 में रैणी आपदा में भी मिली थी छूट चमोली जिले के रैणी में 2021 में आई आपदा में सैकड़ों मजदूर लापता हो गए थे। उस समय भी केंद्र सरकार ने जन्म एवं मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने में छूट दी थी। अब गृह मंत्रालय की 2021 की तर्ज पर धराली आपदा में लापता लोगों का मृत्यु पंजीकरण करने की अनुमति दी है। घटना क्षेत्र के उप जिलाधिकारी जारी करेंगे मृत्यु प्रमाण पत्र आपदा में लापता लोगों के मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए सबसे पहले परिजनों को मूल निवास वाले स्थान पर लापता व्यक्ति की शिकायत दर्ज करनी होगी। इसके बाद शिकायत को घटना वाले क्षेत्र के परगना मजिस्ट्रेट या एसडीएम के पास भेजा गया है। लापता व्यक्ति के बारे में 30 दिन का नोटिस जारी किया गया। इसके बाद कोई आपत्ति न मिलने पर मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। मृत्यु प्रमाण पत्र के बाद ही लापता व्यक्ति के परिजनों को आपदा राहत के तहत आर्थिक सहायता मिल सकेगी।

रेनकोट पहनकर पहुंच गए सीता का अपहरण करने, रामलीला ने जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव दिलाया याद

भवाली । नैनीताल के भवाली में आयोजित रामलीला मंचन का एक वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में जनक दरबार में माता सीता के स्वयंवर में पहुंचे कलाकार रेनकोट पहनकर धनुष उठाते हुए नजर आ रहे हैं। कलाकार कह रहे हैं कि सीता का अपहरण करके ले जाएंगे। प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में चल रही रामलीलाएं इन दिनों सोशल मीडिया पर परीक्षा लीक और रेनकोट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। पिथौरागढ़ के टकाना की रामलीला में रावण की ओर से बोला डायलॉग ""लंका में सब ठीक, उत्तराखंड में पेपर लीक"" का वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ है। अब नैनीताल के भवाली में आयोजित रामलीला मंचन का एक वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में जनक दरबार में माता सीता के स्वयंवर में पहुंचे कलाकार रेनकोट पहनकर धनुष उठाते हुए नजर आ रहे हैं। कलाकार कह रहे हैं कि सीता का अपहरण करके ले जाएंगे। धनुष यज्ञ के इस सीन पर रामलीला में ठहाके गूंजे तो लगे हाथ लोगों ने वीडियो बनाकर इसे वायरल किया तो सोशल मीडिया में वीडियो ट्रेंड करने लगा। वायरल वीडियो में लोग कमेंट करते नजर आ रहे हैं कि रेनकोट पहने कलाकारों ने 14 अगस्त को नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में पांच जिपं सदस्यों के हुए कथित अपहरण की याद दिला दी। इसको लेकर लोग खूब चटकारे ले रहे हैं। दरअसल जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में पिछले दिनों रेनकोट पहनकर पहुंचे कुछ युवकों ने कथित तौर पर पांच जिला पंचायत सदस्यों का अपहरण कर लिया था। इस दौरान वहां खासा बवाल देखने को मिला और पूरे उत्तराखंड में यह मामला सुर्खियों में आ गया था।

सम्पादकीय

अब दवाओं पर टैरिफ

भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिये नए सिरे से जारी बातचीत के बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा उत्पादों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने ब्रांडेड और पेटेंटेड दवा उत्पादों पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा की है, बशर्ते कि दवा निमार्ता कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं स्थापित न करें। आशंका है कि ट्रंप के इस कदम का प्रभाव भारत के फार्मा उद्योग पर पड़ सकता है, जिसने देश को दुनिया की फामेर्सी के रूप में स्थापित किया है। दुनिया भर से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले तीस अरब डॉलर के फार्मा उत्पादों में से दस अरब डॉलर से अधिक का निर्यात भारत से होता है। भारत मुख्य रूप से अमेरिका को कम लागत वाली जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करता है। यह अच्छी बात है कि ये जेनेरिक दवाइयां नई टैरिफ व्यवस्था के दायरे में नहीं आती हैं। हालांकि, अभी तक सक्रिय दवा सामग्री यानी एपीआई पर कोई स्पष्टता नहीं है। वैसे भारत से भारतीय ब्रांडेड दवाइयों का भी निर्यात होता है। व्यापार अनुसंधान एजेंसी ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव के अनुसार फॉर्मास्युटिकल क्षेत्र में भारत सबसे बड़ा निर्यातक है, लेकिन ये अधिकांशतरू गैर-ब्रांडेड दवाइयां हैं। वैसे अमेरिका द्वारा भारतीय आयात पर पचास फीसदी टैरिफ लगाने पर भी आशंका जताई गई थी कि इससे जेनेरिक व ब्रांडेड दवाएं महंगी हो सकती हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में भारत की फार्मा कंपनियों की आय का बड़ा जरिया होने के कारण ये काफी कम मार्जिन पर काम करती हैं। ऐसे में यदि उन पर टैरिफ लगता है, तो उनका वहां कारोबार करना कठिन हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका के दवा बाजार में बड़े ब्रांड वाली दवाइयों के सस्ते प्रारूप वाली जेनेरिक दवाइयों का आधे से अधिक हिस्से पर अधिकार है, जिससे अमेरिका की स्वास्थ्य सेवा लागत में अरबों रुपये की बचत होती है। एक अनुमान के अनुसार, यह बचत एक साल में दो सौ डॉलर से अधिक की होती है। आशंका जतायी जा रही है कि यदि भारत व अमेरिका में व्यापार समझौता नहीं होता तो भी टैरिफ के कारण कुछ भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों को बाजार से बाहर होना पड़ सकता है। लेकिन यह स्थिति अमेरिका के लिये भी संकट बढ़ा सकती है। भारतीय जेनेरिक दवा कंपनियों की अनुपस्थिति में अमेरिका में पहले ही दवाओं की कमी का संकट और गहरा सकता है। लेकिन ट्रंप के फार्मा उद्योग पर सौ फीसदी टैरिफ लगाए जाने से भारतीय दवा उद्योग में निराशा जरूर व्याप्त हुई है। देश के बड़े दवा शेयरों में अचानक आई गिरावट इसका ही नतीजा है। अब चाहे यह गिरावट अल्पकालिक हो, लेकिन इसमें दोराय नहीं कि ट्रंप के अगले कदम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। दवा उद्योग को आशंका है कि ट्रंप आने वाले दिनों में जेनेरिक दवाओं पर भी टैरिफ लगा सकते हैं, जबकि अमेरिकी प्रशासन को पता है कि ऐसे किसी प्रतिबंध से वहां स्वास्थ्य सेवाओं की लागत में इजाफा होगा। वहीं दूसरी ओर, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों की इन दवाओं तक पहुंच सीमित हो जाएगी। निश्चित रूप से अमेरिका से चल रही बातचीत के दौरान भारत को इस मुद्दे को प्राथमिकता देनी चाहिए। हालांकि, अमेरिका को भी पता है कि ये निषेधात्मक टैरिफ खुद उसके लिये भी प्रतिकूल साबित हो सकते हैं। साथ ही, अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर प्रतिकूल असर डाल सकते हैं, जो पहले ही ट्रंप के विघटनकारी फैसलों का शिकार है। ऐसे में अमेरिका को सस्ती दवाओं को एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि आगामी समझौते में उसके दवा क्षेत्र के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय सुनिश्चित हों। इसके साथ ही भारत को अपनी दवाओं के लिये नये बाजार तलाशने चाहिए। साथ ही, प्रमुख भारतीय दवा कंपनियों को जटिल जेनेरिक दवाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, जो मुख्य रूप से ब्रांडेड श्रेणी में आती हैं। इससे दवा कंपनियों को उच्च मूल्य वाले बाजार में पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है।

टाइगर ऑफ स्काई की गौरवपूर्ण विदाई

चण्डीगढ़ के एयरबेस से मिग-21 की आखरी उड़ान के साथ मिग की विदाई केवल एक सुपरसोनिक फाइटर की विदाई नहीं है अपितु भारतीय वायु सेना के फाइटर बेडे से मिग की गौरवशाली अतीत की विदाई है। अपनी गति, शक्ति और मारक क्षमता के कारण नाम से ही दुश्मनों में दहसत बनाने वाले मिग-21 अपनी यात्रा के 62 वर्ष पूरे कर विदा हो रहा है। मिग-21 को उड़ता ताबूत कहा जाने लगा। यह दूसरी बात है कि कुछ दुर्घटनाएं मानवीय भूल के कारण हुई तो कुछ अन्य कारणों से। मिग-21 सुपर सोनिक फाइटर विमान का निर्माण सोवियत रुस द्वारा 1950 के दशक के दौरान आरंभ किया और मिग की पहली उड़ान 1955 में हुई। 1962 के युद्ध के अनुभवों के कारण भारत को अपनी वायुसेना को मजबूत बनाने की आवश्यकता महसूस हुई। अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को एफ-16 विमानों की आपूर्ति के कारण भारत को भी अपनी वायुसेना को वेल इक्विप्ड करने की आवश्यकता महसूस हुई और अमेरिका सहित अन्य देषों के फाइटर विमानों के विकल्प होने के बावजूद भारत ने सोवियत रुस के मिग फाइटर विमान खरीदने को पाथमिकता दी। हालांकि 1965 के युद्ध में मिग का सीमित योगदान रहा पर 1971 के युद्ध की तो भाषा ही मिग फाइटर ने बदल कर रख दी। अमेरिका के एफ-16 विमानों को मारगिराकर मिग विमानों ने ना केवल अपनी मारक क्षमता का प्रदर्शन किया अपितु दुनिया के देशों को दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर कर दिया। हालिया ऑपरेशन सिन्दुर में भी मिग विमानों ने महत्वूपर्ण भूमिका निभाई है। मिग-21 अपनी उड़ान क्षमता, तेजी से आकाश में उंचाई पर जाने, ध्वनी से भी तेज गति से उड़ाने भरने और निशाने पर निशाना साधनें में सफल रहा है। दुश्मन देश तो मिग के नाम से दहशत खाने लगे थे। मिग-21 छोटे रनवे, कठिन हालातों में भी उड़ान भरने में सक्षम रहा है। अचानक हमले के हालातों में भी यह भरोसेमंद रहा है। सूई की नोक जैसे इस विमान में तापमान की समस्या के बावजूद इस विमान की उड़ान भरने में वायुसेना फाइटर गौरव महसूस करते रहे हैं। 2021 के बालाकोट के दौरान भी इसने अपने शौर्य का प्रदर्शन किया। इसमें कोई दो राय नहीं कि दुनिया के 60 से अधिक देशों में मिग ने अपने पराक्रम को दिखाया पर मिग के निमार्ता सोवियत रुस से ही मिग की विदाई सबसे पहले आरंभ हुई। रशिया ने 1990 से ही मिग की विदाई आरंभ कर दी। चीन, पौलेण्ड, बुल्गारिया, रोमानिया, चेकस्लोवाकिया, क्रोएशिया, हंगरी आदि इसे विदाई दे चुके हैं। हालांकि सीरिया, उत्तर कोरिया औद अफ्रिकी देशों में मिग सेना के हिस्से बने हुए हैं। भारत में मिग का लंबे समय का कार्यकाल रहा है। फ्लाइंग काफिन जैसे नाम से बदनामी के बावजूद अपग्रेडेड मिग का भारतीय सेना में उपयोग होता रहा। निशाने पर लक्ष्य को साधने में सक्षम होने के बावजूद जिस तरह से इसके क्रेस होने की गति रही है उससे यह बदनामी का भी प्रमुख कारण रहा है। और यही कारण है कि मिग-21 की गौरवपूर्ण प्रदर्शन के बावजूद अंततोगत्वा 62 साल की लंबी यात्रा के बाद इसे सम्मानपूर्वक विदाई दी गई है। देखा जाएं तो मिग ने भारतीय सेना में अपनी गौरवपूर्ण सेवाएं दी और भारतीय सैनिकों ने युद्ध के दौरान इसका जिस तरह से उपयोग किया वह भारतीय सेना के गौरव को बढ़ाने वाला रहा। यही कारण है कि मिग को गौरवपूर्ण समारोह में विदाई दी गई। जहां से इसकी शुरूआत हुई वहीं से इसको विदाई दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विदाई समारोह में कहा कि भारतीय वायु सेना के इतिहास में मिग की सेवाओं को स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। मिग को भारत और रुस के बीच संबंधों से भी जोड़ के देखा जाता रहा है। खासबात यह कि उड़ता ताबूत कहलाने के बावजूद भारतीय वायु सेना में मिग ने 60 वर्ष से भी अधिक समय तक अपने सामर्थ्य से देश के जरुरत के समय अपेक्षाओं पर खरा उतरा। युद्ध या यौद्धिक गतिविधियों के दौरान मिग गैम चैंजर सिद्ध हुआ है। यही कारण है कि मिग को रिटायरमेंट की गौरवपूर्ण विदाई दी गई। अब भारतीय वायु सेना में स्वदेशी फाइटर तेजस मिग का स्थान लेगा। सुखाई, राफेल और तेजस आदि की उपस्थिति से आज भारत की वायुसेना दुनिया की सबसे सक्षम और ताकतवर सेनाओं में से एक है। भले ही भारतीय वायु सेना के बेडे से मिग की विदाई हो गई है पर 1971 का युद्ध, करगिल, बालकोट, ऑपरेशन सिन्दुर और इसी तरह के अभियानों की चर्चा होगी तो मिग की गौरवपूर्ण सेवाओं को सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

भारत प्राचीन काल से अब तक विश्व गुरु बनने की तथा-कथा

संजीव ठाकुर

भारतवर्ष ऐतिहासिक तौर पर एक ऐसा देश रहा है जिसने अपनी संस्कृति सनातनी शक्ति एवं ऊर्जा से वैश्विक नेतृत्व किया है बीच के कुछ काल में अवश्य कुछ विदेशी आक्रांताओं ने देश पर हमला कर विदेशी प्रभाव छोड़ा है किंतु आज भारत इस स्थिति में है कि वह विश्व का सक्षम नेतृत्व कर सकता है। भारत ही एक ऐसा देश है जिसने सदियों से दुनिया को ज्ञान, संस्कृति, विज्ञान और नैतिकता का संदेश दिया है। ह्वविश्व गुरुह्व बनने का मतलब केवल ताकत या धन में आगे होना नहीं है, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और नैतिक नेतृत्व में दुनिया के लिए उदाहरण बनना है। यह वह स्थिति है, जो भारत ने प्राचीन काल से लेकर आज तक हमेशा हासिल करने की कोशिश की है।प्राचीन भारत में शिक्षा और विज्ञान का स्तर अत्यंत ऊँचा था। हमारे यहाँ वेदों और उपनिषदों में जीवन, ब्रह्मांड और मानव चेतना के रहस्यों का अध्ययन हुआ। शून्य और दशमलव पद्धति की खोज ने पूरी दुनिया में गणितीय ज्ञान को आसान बनाया। आर्यभट्ट और वराहमिहिर ने खगोल विज्ञान और गणित में अद्वितीय योगदान दिया। सुश्रुत और चरक ने आयुर्वेद और शल्य चिकित्सा में ऐसी खोजें कीं, जो आज भी विश्व में मान्य हैं। योग और ध्यान ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का विज्ञान प्रस्तुत किया। धर्म और दर्शन के क्षेत्र में भी भारत ने दुनिया को दिशा दिखाई। बौद्ध और जैन धर्म ने अहिंसा और नैतिकता का संदेश फैलाया। रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्यों ने जीवन, नैतिकता और सही-असही की पहचान करने का मार्ग दिखाया। भारतीय संगीत, नृत्य, कला और वास्तुकला ने दुनिया में हमारी सांस्कृतिक पहचान बनाई। इस समय भारत केवल शक्ति का केंद्र नहीं था, बल्कि ज्ञान और संस्कृति का मार्गदर्शक बन चुका था। मध्यकाल में जब राजनीतिक स्थिति अस्थिर थी और कई विदेशी आक्रमण हुए, तब भी हमारी संस्कृति और शिक्षा जीवित रही। संस्कृत साहित्य, आयुर्वेद, ज्योतिष और तंत्र का अध्ययन जारी रहा। इस समय भारतीय कला और वास्तुकला ने नई शैली अपनाई और समृद्धि पाई। खगोल विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान में भी प्रगति जारी रही। इस समय भारत का प्रभाव केवल राजनीतिक शक्ति से नहीं, बल्कि ज्ञान और संस्कृति के माध्यम से दूर-दूर तक महसूस किया गया। ब्रिटिश शासन में भारत की राजनीतिक स्वतंत्रता और आर्थिक शक्ति सीमित हो गई, लेकिन ज्ञान और संस्कृति की महत्ता कम नहीं हुई। राजा राममोहन राय और स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति और योग को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग से दुनिया को नेतृत्व का नया उदाहरण दिया।

हार्ट अटैक से लेकर जानलेवा कैंसर तक, खराब ओरल हाइजीन आपकी सेहत का दुश्मन

नई दिल्ली , वैज्ञानिकों ने बताया है कि ओरल हाइजीन में गड़बड़ी बस हृदय रोगों तक सीमित नहीं है, ये लापरवाही कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का भी कारण बन सकती है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है। बचपन से ही हम सभी को मुंह की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देते रहने की सलाह दी जाती रही है। मम्मी हमेशा दिन में दो बार अच्छे से ब्रश करने के लिए डांटती रहती थीं, तब शायद हम इसे बहुत गंभीरता से नहीं लेते थे। पर हाल में हुए कई अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि ये सिर्फ मुंह के साफ-सफाई का मामला नहीं था, बल्कि ओरल हाइजीन असल में हमें कई बीमारियों से बचाए रखने के लिए भी जरूरी है। शोध बताते हैं कि ओरल हाइजीन की लापरवाही आपकी सेहत को कई प्रकार से नुकसान पहुंचाने वाली हो सकती है। हाल ही में में प्रकाशित एक रिपोर्ट में हमने बताया था कि किस तरह से ओरल हाइजीन में गड़बड़ी हृदय रोग-हार्ट अटैक का खतरा बढ़ा देती है। इसी तरह से एक अन्य हालिया अध्ययन की रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने बताया है कि जोखिम बस हृदय रोगों तक सीमित नहीं है, ये छोटी सी लापरवाही कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का भी कारण बन सकती है, जिसको लेकर सभी लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है। क्या आप अपने ओरल हाइजीन की ठीक से ध्यान रखते हैं? ओरल हाइजीन में गड़बड़ी से सेहत के लिए बढ़ती समस्याएं स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, जब मुंह की सफाई ठीक तरीके से नहीं होती, तो बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। यही बैक्टीरिया खून में पहुंचकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों में गंभीर बीमारियां पैदा कर सकते हैं। गंदे दांत और मसूड़ों की बीमारी सीधे तौर पर हृदय रोग और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ाती है। इसी क्रम में अब अध्ययनकताओं ने बताया है कि खराब ओरल हाइजीन से कैंसर, विशेषकर पैंक्रियाटिक कैंसर का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का लंबे समय से मानना रहा है कि खराब मौखिक स्वच्छता वाले लोग, बेहतर ओरल हाइजीन वाले लोगों की तुलना में कई बीमारियों के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। ओरल हाइजीन की समस्या और कैंसर का खतरा न्यूयॉर्क स्थित एनवाईयू स्कूल ऑफ मेडिसिन के वैज्ञानिकों ने कुछ ऐसे बैक्टीरिया के बारे में पता लगाया है जो कैंसर के खतरे को कई गुना तक बढ़ाने वाले हो सकते हैं। मुंह की स्वच्छता में गड़बड़ी से उत्पन्न होने वाले ये हानिकारक कीटाणु लार के माध्यम से अग्नाशय में पहुंच सकते हैं और कैंसर का खतरा बढ़ा सकते हैं। जामा ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट में पॉपुलेशन हेल्थ के विशेषज्ञ और अध्ययन के सह-लेखक डॉ. रिचर्ड हेस कहते हैं, यह पहले से अब कहीं अधिक स्पष्ट है कि अपने दांतों और मुंह की सफाई करने से न केवल पेरिडोन्टल रोग को रोकने में मदद मिलती है, बल्कि हृदय रोगों और कैंसर से भी बचाव हो सकता है। अध्ययन में क्या पता चला? इस अध्ययन में, शोधकताओं ने पहली बार पाया कि कैंडिडा नामक एक प्रकार का यीस्ट, जो स्वाभाविक रूप से त्वचा और पूरे शरीर में रहता है, ये अग्नाशय के कैंसर को बढ़ाने वाला हो सकता है। शोधकताओं ने इसके लिए 900 अमेरिकी प्रतिभागियों के डेटा की जांच की। अध्ययन की शुरूआत में प्रतिभागियों के लार का सैंपल लिया गया और लगभग नौ वर्षों तक इसकी जांच की गई। कैंसर से जुड़े तीन अन्य बैक्टीरिया पहले से ही मसूड़ों में एक खतरनाक संक्रमण पैदा करने के लिए जाने जाते थे। अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकताओं ने पाया कि हानिकारक रोगाणुओं के समूह ने कैंसर के जोखिम को तीन गुना से भी अधिक बढ़ा दिया। यानी कि अगर आप मुंह की साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखते हैं, तो इसके कारण आप कई प्रकार की जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ाने वाली हो सकती है। हार्ट अटैक के खतरे को लेकर किया जाता रहा है अलर्ट हाल ही में एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ओरल हेल्थ पर ध्यान न देना या मुंह के बैक्टीरिया भी हार्ट अटैक और हृदय स्वास्थ्य की समस्याओं का कारण बढ़ सकते हैं। हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने खुलासा किया है कि जब मुंह में बैक्टीरिया मसूड़ों को संक्रमित करते हैं, तो वहां सूजन शुरू हो जाती है। यही बैक्टीरिया खून के जरिए धमनियों तक पहुंचकर वहां भी सूजन पैदा कर सकते हैं। धमनियों की यह सूजन धीरे-धीरे प्लाक बनने और ब्लॉकेज का कारण बन सकती है। यहां पढ़िए पूरी रिपोर्ट अस्वीकरणः की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निदेर्शों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

विदेश जैसा मजा, सिर्फ 5000 रुपये में; भारत के ये पर्यटन स्थल देखेंगे तो हैरान रह जाएंगे

हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिन का मकसद है लोगों को पर्यटन की अहमियत बताना और उन्हें यात्रा के लिए प्रेरित करना। अगर आपको लगता है कि विदेश घूमना ही शानदार नजारों

का मजा देता है, तो जरा ठहरिए! भारत में भी कई ऐसी जगहें हैं जो किसी भी विदेशी डेस्टिनेशन से कम नहीं दिखतीं। खास बात यह है कि यहां आप सिर्फ 5000 रुपये तक के बजट में घूम सकते हैं और प्रकृति, एडवेंचर और शांति का अनोखा संगम देख सकते हैं। पर्यटन दिवस 2025 पर अगर आप सीमित बजट में सफर की योजना बना रहे हैं और विदेश जाने का सपना है तो भारत में ही इन जगहों की यात्रा जरूर करें। सिर्फ 5000 रुपये के बजट में भी आप विदेशी नजारों का लुत्फ भारत में ही उठा सकते हैं।

कसोल

हिमाचल प्रदेश में स्थित हिल स्टेशन कसोल को मिनी इजरायल ऑफ इंडिया भी कहा जा सकता है। कसोल अपने खूबसूरत पहाड़ों, पार्वती घाटी और इजरायली कैफे के लिए मशहूर है। बैकपैकिंग और बजट ट्रिप के लिए यह बेस्ट जगह है।

औली

उत्तराखंड का औली बर्फ से ढकी चोटियों और स्कीइंग के लिए प्रसिद्ध है। यहां का नजारा आपको बिल्कुल स्विट्जरलैंड की याद दिला देगा। ऐसे में औली को भारत का मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जा सकता है।

रोबर्स केव

उत्तराखंड के देहरादून में रोबर्स केव नाम का एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है, जिसे गुच्चूपानी भी कहा जाता है। चट्टानों से बहता पानी और गुफाओं से अंदर से होते हुए झरने तक पहुंचने के इस अद्भुत सफर के कारण इस स्थान को मिनी थाईलैंड कहा जाता है।

खज्जियार

हिमाचल का खजियार हरे-भरे मैदानों और झीलों की वजह से भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहलाता है।

तेल-मसाले के अलावा दिनचर्या की ये आदतें बढ़ा देती हैं पाइल्स का खतरा, आज से ही बरतें सावधानियां

अक्सर लोगों को लगता है कि पाइल्स होने का सबसे बड़ा कारण सिर्फ तेल मसाला का सेवन है, लेकिन ये धारणा गलत है। असल में पाइल्स बीमारी होने के कई कारण होते हैं, जिनमें से एक तेल मसाला है, इसके अलावा हमारे दिनचर्या की कुछ गलत आदतें भी होती हैं, जिसके बारे में आपको जानना चाहिए। पाइल्स यानी बवासीर एक बेहद गंभीर बीमारी है, जिससे बहुत से लोग परेशान रहते हैं। आमतौर पर ज्यादातर लोग इस समस्या के पीछे अपने खान-पान, खासकर तेल-मसाले वाली चीजों को जिम्मेदार मानते हैं। यह बात सच है कि गलत खान-पान इस समस्या को बढ़ा सकता है, लेकिन इसके अलावा अक्सर हमारी दिनचर्या में छिपी कुछ गलत आदतें होती हैं, जिन पर हमारा ध्यान ही नहीं जाता। बवासीर का मुख्य कारण गुदा और मलाशय के निचले हिस्से की नसों पर अत्यधिक दबाव पड़ना है, जिससे उनमें सूजन आ जाती है। यह दबाव सिर्फ मसालेदार भोजन से ही नहीं, बल्कि हमारी बैठने की आदत, डाइट और यहां तक कि वजन उठाने के तरीके से भी बढ़ सकता है। अगर आप इस तकलीफदेह बीमारी से बचना चाहते हैं, तो सिर्फ तेल-मसाले छोड़ने से काम नहीं चलेगा, बल्कि आपको अपनी इन दैनिक आदतों को भी आज से ही सुधारना होगा।

फाइबर और पानी की कमी

पाइल्स का सबसे बड़ा और सीधा कारण पुरानी कब्ज है। जब डाइट में फाइबर की कमी होती है, तो मल सख्त हो जाता है, जिसे बाहर निकालने के लिए अधिक जोर लगाना पड़ता है। मैदे से बनी चीजें, जंक फूड और प्रोसेस्ड आहार का अधिक सेवन कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। इसी तरह दिनभर में कम पानी पीना भी कब्ज होने का एक बड़ा कारण है। पानी की कमी से भी मल सूखकर कठोर हो जाता है। इसलिए अपनी डाइट में फल, सलाद, हरी सब्जियां और साबुत अनाज शामिल करें और दिन में 8-10 गिलास पानी जरूर पिएं।

सैडेंटरी लाइफस्टाइल सबसे बड़ा कारण

सैडेंटरी लाइफस्टाइल यानी गतिहीन जीवनशैली पाइल्स के सबसे बड़े कारणों में से एक है। घंटों तक कुर्सी पर बैठकर काम करना, टीवी देखना या गाड़ी चलाने से मलाशय की नसों पर सीधा और निरंतर दबाव पड़ता है, साथ ही शारीरिक गतिविधि की कमी के कारण हमारी पाचन क्रिया भी धीमी हो जाती है। धीमा पाचन कब्ज को जन्म देता है, जो पाइल्स की मूल जड़ है। कई लोग टॉयलेट में मोबाइल फोन या अखबार लेकर बैठते हैं, जिससे वे अनजाने में ही नसों पर लंबे समय तक दबाव डालते रहते हैं, जो पाइल्स का एक प्रमुख कारण बन सकता है।

भारी वजन उठाना और शौच को रोकना

जिम में गलत तरीके से भारी वजन उठाने या कोई भारी सामान उठाते समय सांस रोकने से पेट के निचले हिस्से और मलाशय की नसों पर अचानक दबाव बढ़ जाता है। यह बढ़ा हुआ दबाव भी नसों में सूजन पैदा कर सकता है। इसके अलावा काम के चक्कर में या अन्य कारणों से शौच करने की इच्छा को रोकना भी एक बहुत बुरी आदत है। ऐसा करने से मल आंतों में सूख जाता है और बाद में उसे त्यागने के लिए ज्यादा जोर लगाना पड़ता है, जो पाइल्स का कारण बन सकता है।

सावधानियां

बवासीर मुख्य रूप से एक जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है। इससे बचने के लिए तेल-मसाले पर ध्यान देने के साथ-साथ इन आदतों को सुधारना भी जरूरी है। नियमित रूप से व्यायाम करें, सक्रिय जीवनशैली अपनाएं, शरीर का सही वजन बनाए रखें और शौच के समय जोर लगाने से बचें। अपनी दिनचर्या में ये छोटे-छोटे बदलाव करके आप इस दर्दनाक बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम कर सकते हैं और एक स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

सरकारी बैंकों का मुनाफा बढ़ा, रिपोर्ट- 15 वर्षों में पहली बार ऋण वृद्धि में निजी बैंकों से आगे निकले

नई दिल्ली , मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार सरकारी बैंकों का कुल मुनाफा रिकॉर्ड ?1.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। वित्त वर्ष 2020 से पीएसबी का बाजार पूंजीकरण लगभग पांच गुना बढ़ गया है। इसके अलावा, कवर किए गए बैंकों की समग्र कमाई ऋ26 से ऋ28 तक 14 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। सरकारी बैंक (पीएसबी) मुनाफे के नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। मोतीलाल ओसवाल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, इन बैंकों का रिटर्न ऑन एसेट्स (फ्डअ) एक प्रतिशत से अधिक हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर एसेट क्वालिटी और स्थिर क्रेडिट ग्रोथ ने इस उछाल में योगदान दिया है। पीएसबी का कुल मुनाफा 1.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा रिपोर्ट में बताया गया कि ढरइ सेक्टर का कुल मुनाफा रिकॉर्ड ?1.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। इसके अलावा, कवर किए गए बैंकों की समग्र कमाई ऋ26 से ऋ28 तक 14 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हालांकि निकट अवधि में एनआईएम पर दबाव रह सकता है, लेकिन फीस इनकम में वृद्धि, लागत अनुपात में धीरे-धीरे सुधार और स्वस्थ कवरेज स्तर (पीसीआर लगभग 79 प्रतिशत) फ्ङ्खअ को 1.0-1.1 प्रतिशत के स्थिर स्तर पर बनाए रखने में मदद करेंगे। 15 वर्षों में पहली बार सार्वजनिक बैंकों ने निजी बैंकों को पीछे छोड़ा मजबूत जमा फ्रेंचाइजी, रूढ़िवादी ऋण-जमा अनुपात और खुदरा, कृषि और एमएसएमई (आरएएम) क्षेत्रों में स्थिर वृद्धि ने भी सरकारी बैंकों की गति को सहारा दिया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 15 वर्षों में पहली बार, सार्वजनिक बैंकों ने वित्त वर्ष 2025 के दौरान ऋण वृद्धि में निजी

बैंकों को पीछे छोड़ दिया। यहां निजी ऋणदाताओं की 10 प्रतिशत की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। पीएसबी का बाजार पूंजीकरण लगभग पांच गुना बढ़ा वित्त वर्ष 2020 से पीएसबी का बाजार पूंजीकरण लगभग पांच गुना बढ़ गया है, फिर भी वे उचित मूल्यांकन पर कारोबार करना जारी रखते हैं। वहीं सेक्टर आरओई 18 से 19 प्रतिशत और आरओए एक प्रतिशत पर स्थिर बना हुआ है। इसने बताया कि हालिया बढ़त एकमुश्त नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि आरओए में एक प्रतिशत की रिकवरी कोई एक बार की घटना नहीं है, बल्कि सरकारी बैंकों के लिए घर वापसी जैसी है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में मार्जिन में सुधार और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रहने के साथ, वे आने वाले वर्षों में स्थिर रिटर्न देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सनथ जयसूर्या ने की अभिषेक शर्मा की तारीफ

बोले- वह सिर्फ आक्रामक नहीं, बल्कि समझदार भी हैं

दुबई। श्रीलंका के मुख्य कोच और पूर्व महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की निडर बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन ने अभिषेक को अपना नैसर्गिक खेल खेलने की पूरी आजादी दी है और इसी का नतीजा है कि उन्होंने मौजूदा एशिया कप में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। टीम प्रबंधन ने दिया आत्मविश्वास मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयसूर्या ने कहा, 'वह (अभिषेक) अपना स्वाभाविक खेल दिखा रहा है और टीम प्रबंधन ने उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया है। यही सबसे जरूरी है क्योंकि अगर कोई अपना स्वाभाविक खेल दिखा रहा है तो हमें उसे अपना स्वाभाविक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।' जयसूर्या ने माना कि ग्रुप स्टेज में बड़ी पारियां खेलने में विफल रहने के बाद अभिषेक ने सुपर-चार चरण में खुद को पूरी तरह से साबित किया। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ 74, बांग्लादेश के खिलाफ 75 और श्रीलंका के खिलाफ 61 रन बनाए। अभिषेक की समझदारी और परिपक्वता जयसूर्या ने कहा कि अभिषेक सिर्फ आक्रामक बल्लेबाज ही नहीं बल्कि समझदार क्रिकेटर भी हैं। उन्होंने कहा, 'जब भी वह थोड़ा धीमा होना चाहता है तो वह यह भी जानता है कि कैसे धीमा होना है। इसलिए छह ओवर (पावरप्ले) के बाद अगर वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करना चाहता है तो वह ऐसा कर रहा है। इसलिए दिन-प्रतिदिन वह (अधिक) रन बना रहा है और काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है।' भारत के खिलाफ कोई मानसिक अवरोध नहीं जयसूर्या ने साफ किया कि उनकी टीम भारत के खिलाफ मानसिक अवरोध का शिकार नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मैं मैच को नियमित समय में खत्म करना पसंद करता। कोई भी कप्तान या कोच सुपर ओवर में नहीं जाना चाहता। दुर्भाग्य से दासुन (शनाका) तीसरा रन पूरा करने से चूक गए। लेकिन भारत के खिलाफ कोई मानसिक अवरोध नहीं था। हमारा बल्लेबाजी क्रम मजबूत है और हमने उन्हें आत्मविश्वास दिया। 200 (203) के लक्ष्य का पीछा करना कभी आसान नहीं होता लेकिन हमने इसे लगभग हासिल कर ही लिया था जो हमारी क्षमता को दर्शार्ता है।' खिलाड़ियों की तारीफ और भविष्य को लेकर उम्मीद जयसूर्या ने पथुम निसांका और कुसाल परेरा की तारीफ की जिन्होंने दूसरे विकेट के लिए 70 गेंदों पर 127 रन जोड़े। उन्होंने कहा, 'जब आप 202 रन का पीछा कर रहे हो तो आपको लगातार बाउंड्री लगानी होती हैं। उनकी साझेदारी अहम थी। जब हमने विकेट गंवाने शुरू किए तो लय बिगड़ गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऐसा होना स्वाभाविक है क्योंकि किसी को तो जोखिम उठाना ही पड़ता है।' उन्होंने आगे कहा, 'दुर्भाग्य से पथुम गलत समय पर आउट हो गए और बाद में गेंद अधिक टर्न लेने लगी। फिर भी यह क्रिकेट का एक बहुत अच्छा मैच था। कुसाल हमारी टीम में स्पिन के खिलाफ सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने यह भूमिका फिर से बखूबी निभाई। हालांकि मैं चाहता था कि वह अधिक समय तक बल्लेबाजी करें।' जयसूर्या ने निसंका की भी तारीफ की जयसूर्या ने निसांका की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा, 'पथुम को हाल ही में पैर की मांसपेशियों में चोट की समस्या का सामना करना पड़ा लेकिन फिर भी उन्होंने टीम के लिए पूरा जोर लगाया जो उनकी प्रतिबद्धता को दशार्ता है।' हालांकि श्रीलंका ने अपने तीनों सुपर-चार मुकाबले गंवाए, जयसूर्या ने कहा कि यह टीम बहुत आगे तक जा सकती है और इस हार से उन्हें सीखने का मौका मिलेगा।

अंडमान ब्लॉक में विजयपुरम-2 कुएं से प्राकृतिक गैस मिलने का पता चला, ऑयल इंडिया ने की पुष्टि

नई दिल्ली , ऑयल इंडिया लिमिटेड (डक्छ) ने अंडमान शैलो ऑफशोर ब्लॉक में अपने दूसरे अन्वेषणीय कुएं में प्राकृतिक गैस मिलने की पुष्टि की

है। यह भविष्य की अन्वेषण और ड्रिलिंग रणनीति में मदद करेगा। कंपशोर ब्लॉक में वर्तमान अन्वेषण अभियान के दौरान हाइड्रोकार्बन की यह पहली घटना है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली महारत्न कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (डक्छ) ने अंडमान शैलो ऑफशोर ब्लॉक में अपने दूसरे अन्वेषणीय कुएं में प्राकृतिक गैस मिलने की पुष्टि की है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि विजयपुरम-2 नामक यह कुआं ऑफशोर अंडमान ब्लॉक अठ-डरलढ-2018/1 में खोदा गया था। यह ओपन एक्रेज लाइसेंसिंग पॉलिसी (डअछढ) के तहत आता है। प्रारंभिक परीक्षणों में गैस के नमूने लेने के बाद प्राकृतिक गैस की उपस्थिति की पुष्टि हुई। डक्छ ने कहा कि गैस की उत्पत्ति को समझने के लिए आगे की जांच, जिसमें गैस आइसोटोप अध्ययन भी शामिल है, की जा रही है। इन अध्ययनों से यह स्पष्ट होगा कि गैस किसी स्त्रोत, प्रवासन मार्ग या हाइड्रोकार्बन के संचयन से संबंधित है या नहीं। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, यह हाइड्रोकार्बन के स्त्रोत या प्रवास मार्ग या संचय की उपस्थित का एक प्रमुख संकेतक हो सकता है। यह भविष्य की अन्वेषण और ड्रिलिंग रणनीति में मदद करेगा। कंपशोर ब्लॉक में वर्तमान अन्वेषण अभियान के दौरान हाइड्रोकार्बन की यह पहली घटना है।

पीयूष गोयल ने रूसी उप प्रधानमंत्री से की मुलाकात, व्यापार और औद्योगिक सहयोग पर हुई अहम बातचीत

नई दिल्ली , पीयूष गोयल ने व्यापार और आर्थिक संबंधों को बढावा देने के लिए रूसी उप प्रधानमंत्री दिमित्री पेत्रुशेव के साथ बातचीत की। गोयल

ने जोर देकर कहा कि इस सहयोग से आपसी विकास के लिए बड़े अवसर खुलेंगे और भारत-रूस के रणनीतिक संबंध और मजबूत होंगे। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को रूस के उप प्रधानमंत्री दिमित्री पेत्रुशेव से मुलाकात की। इसमें दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापार संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों के बीच आपसी विकास के अवसर खुलेंगे मंत्री गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि भारत और रूस साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार, सेवाओं और औद्योगिक सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज पर बातचीत हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस सहयोग से आपसी विकास के लिए बड़े अवसर खुलेंगे और भारत-रूस के रणनीतिक संबंध और मजबूत होंगे। मुक्त व्यापार समझौते में तेजी लाने पर दिया गया जोर सरकारी सूत्रों के अनुसार जब पात्रुशेव भारत आए, जहां उन्होंने प्रमुख मंत्रालयों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की। गोयल के साथ उनकी बैठक में निगरानी एजेंसियों के कामकाज को मजबूत करने, मत्स्य पालन क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने और रूसी मांस एवं डेयरी उत्पादों के लिए भारतीय बाजार खोलने पर ध्यान केंद्रित किया गया। रूसी उप-प्रधानमंत्री ने भारत और यूरेशियन आर्थिक संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते में तेजी लाने की जरूरत पर भी जोर दिया। पत्रुशेव ने केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण और रसायन व उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा के साथ खनिज उर्वरकों की आपूर्ति में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। चर्चा के दौरान, उन्होंने कहा कि रूस भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी जारी रखने और पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग बढ़ाने में रुचि रखता है। दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार में हुई वृद्धि रूसी उप-प्रधानमंत्री ने केंद्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से भी मुलाकात की। बैठक में कृषि आपूर्ति की मात्रा और सीमा में संभावित वृद्धि पर चर्चा हुई। रूस ने भारत को वनस्पति तेलों, फलियों और अन्य उत्पादों के निर्यात में वृद्धि की संभावना पर प्रकाश डाला। पात्रुशेव ने बताया कि दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार में तेजी से वृद्धि हुई है और 2024 में इसमें 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जाएगी। दोनों पक्षों में अनुसंधान संस्थानों के बीच सीधे संपर्क स्थापित करने पर चर्चा हुई।

'ब्रिक्स को बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करनी चाहिए'

जानें विदेश मंत्री जयशंकर ने क्यों की अपील

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ब्रिक्स देशों से अपील की है कि वे बढ़ते संरक्षणवाद और टैरिफ में उतार-चढ़ाव के बीच बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की रक्षा करें। उन्होंने यह बात संयुक्त राष्ट्र महासभा के सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में कही। जयशंकर ने कहा, 'जब बहुपक्षवाद पर दबाव होता है, तब ब्रिक्स ने हमेशा समझदारी और रचनात्मक बदलाव की मजबूत आवाज उठाई है। अशांत दुनिया में ब्रिक्स को शांति, संवाद, कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय कानून के पालन का संदेश और मजबूत करना होगा।' वठरउ में सुधार के लिए आवाज उठाने की अपील जयशंकर ने ब्रिक्स देशों

से संयुक्त राष्ट्र के मुख्य अंगों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में व्यापक सुधार के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में तकनीक और नवाचार ब्रिक्स सहयोग का अगला चरण तय करेंगे। भारत की 2026 में होने वाली ब्रिक्स अध्यक्षता को लेकर उन्होंने कहा कि उस दौरान भारत खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके लिए डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, स्टार्टअप्स, नवाचार और विकास सहयोग को मजबूत बनाया जाएगा। कई देशों के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात बैठक के दौरान जयशंकर ने कई देशों के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की। इनमें सिएरा लियोन, रोमानिया, क्यूबा, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया, रूस, उरुग्वे, कोलंबिया और एंटीगुआ एंड बारबुडा शामिल थे। उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से भी मुलाकात की और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। ऑस्ट्रिया की विदेश मंत्री बीटे माइनल-राइजिंगर के साथ उन्होंने भारत और यूरोप के सामने मौजूद चुनौतियों और विकल्पों पर बातचीत की।रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ उनकी मुलाकात में यूक्रेन संघर्ष, द्विपक्षीय संबंध और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा हुई। तमाम बैठकों में शामिल हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) बैठक में हिस्सा लिया और बताया कि तीनों देशों ने यूएन सुरक्षा परिषद में बड़े सुधार की जोरदार मांग की है। इसके अलावा उन्होंने भारत-सीईएलएसी विदेश मंत्रियों की बैठक की सह-अध्यक्षता की। इसमें कृषि, व्यापार, स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, आपदा राहत और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। जयशंकर ने कहा कि भारत और सीईएलएसी देशों ने एआई, टेक्नोलॉजी, महत्वपूर्ण खनिज, अंतरिक्ष और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग तलाशने पर भी सहमति जताई। उन्होंने यह भी कहा कि बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार कर ग्लोबल साउथ की आवाज को और मजबूत बनाना बेहद जरूरी है।

इस्राइली हमलों में गाजा में कम से कम 38 लोगों की मौत, युद्धविराम की मांगों को नेतन्याहू ने किया नजरअंदाज

गाजा (एजेंसी)। इस्राइल द्वारा गाजा में बीती रात किए गए हवाई हमलों में कम से कम 38 लोगों की मौत हो गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि भले ही इस्राइल पर युद्धविराम को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमले जारी रखने पर अड़े हुए हैं। शनिवार तड़के मध्य और उत्तरी गाजा में हुए हमलों में कई लोग अपने घरों में मारे गए। इनमें नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक ही परिवार के नौ सदस्य शामिल थे। उनके शव अल-अवदा अस्पताल लाए गए हैं। शनिवार सुबह गाजा सिटी के तुफाह इलाके में एक घर पर किए गए हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। जिनमें आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। शरणार्थी शिविर में हुए एक और हवाई हमले में चार और लोगों की मौत हुई। अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र ढहने की कगार पर गाजा सिटी के अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र ढहने की कगार पर हैं। लगभग दो हफ्ते से जारी हमलों में दो क्लिनिक पूरी तरह नष्ट हो चुके हैं। दो अस्पताल

क्षतिग्रस्त होकर बंद हो गए और बाकी अस्पताल दवाओं, उपकरणों, भोजन और ईंधन की कमी से जूझ रहे हैं। कई डॉक्टरों और नर्सों को अस्पताल छोड़ना पड़ा है। जिससे केवल कुछ ही लोग गंभीर मरीजों और बच्चों की देखभाल कर पा रहे हैं। डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स शुक्रवार को डॉक्टर्स विदआउट बॉर्डर्स ने गाजा सिटी में अपनी सेवाएं निलंबित कर दीं। संगठन ने बताया कि इस्राइली टैंक उनके स्वास्थ्य केंद्रों से आधा मील दूर तक पहुंच गए हैं और उनके कर्मचारियों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा रहा है। उत्तरी गाजा में खाद्य संकट की स्थिति और बिगड़ गया है। इस्राइल ने 12 सितंबर से यहां राहत सामग्री की आपूर्ति रोक दी थी और संयुक्त राष्ट्र की बार-बार की गई अपीलों को भी खारिज कर दिया था। गाजा प्रशासन की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस्राइली हमलों में अब तक 65,000 से अधिक लोग मारे गए और 1,67,000 से अधिक घायल हुए हैं। मंत्रालय कहता है कि मृतकों में लगभग आधे महिलाएं और बच्चे हैं। नेतन्याहू जब भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि चले गए ये हमले शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा विश्व नेताओं से यह कहने के कुछ घंटों बाद हुए कि उनके देश को गाजा में हमास के खिलाफ काम पूरा करना होगा। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब नेतन्याहू भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि हॉल से बाहर चले गए थे। नेतन्याहू ने पश्चिम-एशिया की स्थिति पर अपने भाषण की शुरूआत की ही थी कि हॉल में कुछ देशों के प्रतिनिधी बाहर जाने का निर्णय लिया। भाषण के दौरान हॉल में समझ न आने वाले नारे भी गूंजे, नेतन्याहू का समर्थन करते वाला अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल वहां मौजूद रहा। वहीं, कुछ हिस्सों में नेतन्याहू के भाषण की शुरूआत पर तालियां भी गूंजीं। नेतन्याहू ने अपने भाषण के दौरान 'अभिशाप' शीर्षक वाला एक क्षेत्रीय मानचित्र भी दिखाया और उस पर निशान लगाकर अपनी बात को रेखांकित किया। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र महासभा में जब नेतन्याहू भाषण देने आए तो कई देशों के प्रतिनिधि हॉल से बाहर चले गए।

ईरान पर प्रतिबंधों का रास्ता साफ, रूस–चीन की आखिरी कोशिश हुई नाकाम

यूएनएससी ने खारिज किया प्रस्ताव

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने रूस और चीन के ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर प्रतिबंध टालने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इस फैसले के बाद ईरान पर शनिवार से प्रतिबंध लागू हो जाएंगे। इससे विदेशों में ईरानी संपत्तियां फ्रीज हो जाएंगी, हथियार सौदे रुक जाएंगे और मिसाइल कार्यक्रम पर भी पाबंदी लग जाएगी। इसके साथ ईरान की पहले से ही मुश्किल में पड़ी अर्थव्यवस्था और कमजोर होगी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर प्रतिबंधों को दोबारा लागू करने में देरी करने के रूस और चीन की आखिरी कोशिश को भी शुक्रवार को खारिज कर दिया। यूएनएससी के इस फैसले के

बाद ईरान पर शनिवार यानी आज से ही प्रतिबंध लागू हो जाएंगे। रूस-चीन का प्रस्ताव असफल दरअसल, चीन और रूस, जो ईरान के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते हैं, वे चाहते थे कि प्रतिबंधों को लागू करने से पहले ईरान को और समय दिया जाए ताकि यूरोपीय देशों और अमेरिका से समझौता हो सके। लेकिन, पश्चिमी देशों ने कहा कि हाल में हुई बैठकों में ईरान से कोई सहमति नहीं बन पाई है। ऐसे में रूस और चीन के प्रस्ताव को नौ वोटों का समर्थन नहीं मिला। केवल चीन, रूस, पाकिस्तान और अल्जीरिया ने ही ईरान के पक्ष में मतदान किया। अब ईरान पर लागू होंगे ये प्रतिबंध अब जबकि यूएन में रूस और चीन का प्रस्ताव खारिज हो गया है ऐसे में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी द्वारा शुरू किए गए 'स्नैपबैक' तंत्र के तहत ईरान पर कई प्रतिबंध लागू होंगे। ईरान की विदेशी संपत्तियां फ्रीज हो जाएंगी, हथियारों के सौदे रुक जाएंगे और उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर भी रोक लग जाएगी। इससे पहले से संकट में घिरी ईरान की अर्थव्यवस्था पर और दबाव बढ़ेगा। ईरान ने दी ये प्रतिक्रिया ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने भी यूएन के इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसे अनुचित और अवैध करार दिया। मसूद ने कहा कि ईरान अभी परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने का इरादा नहीं रखता है। वहीं, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने कूटनीति से धोखा किया और यूरोपीय देशों ने उसे दफना दिया। ईरान-पश्चिमी देशों के बीच तनाव और बढ़ने की आशंका इस कदम से ईरान और पश्चिमी देशों के बीच पहले से ही बढ़े तनाव के और बढ़ने की आशंका है। यह साफ नहीं है कि ईरान इस पर कैसे प्रतिक्रिया देगा, क्योंकि पहले ईरानी अधिकारियों ने परमाणु अप्रसार संधि से बाहर निकलने की धमकी दी थी। ठीक उसी तरह जैसे उत्तर कोरिया ने 2003 में किया था और परमाणु हथियार बना लिए थे। चार देशों ने बातचीत के लिए समय देने का समर्थन किया हालांकि, चीन, रूस, पाकिस्तान और अल्जीरिया ने फिर से ईरान को यूरोपीय देशों (ए3) और अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए और समय देने का समर्थन किया।

बीडीए और नगर निगम की संयुक्त टीम की बड़ी कार्रवाई, सपा पार्षद के अवैध चार्जिंग स्टेशन पर चला

मौलाना तौकीर के करीबी शराफत का बरातघर सील

बरेली । बवाल की साजिश रचने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा के करीबियों और रिश्तेदारों पर जिला प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) और नगर निगम की संयुक्त टीम ने मंगलवार को प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बानखाना मोहल्ले में बड़ी कार्रवाई की। यहां सपा पार्षद ओमान रजा के अवैध चार्जिंग स्टेशन को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। बताया गया कि नाले पर बाउंड्रीवाल बनाकर अवैध तरीके से चार्जिंग स्टेशन बनाया गया था। बुलडोजर से बाउंड्री वाल को तोड़ दिया गया। पार्षद उमान का एक और चार्जिंग स्टेशन विद्युत चोरी से संचालित होता पाया गया। इस पर भी कार्रवाई की गई है। मौलाना तौकीर रजा के

रिश्तेदार मोहसिन रजा खान और उसके भाई को हिरासत में लिया गया है। मोहसिन रजा मननानी मियां का दामाद है। मोहसिन के घर पर कार्रवाई करने के लिए बीडीए और नगर निगम की टीम पहुंची थी। इस दौरान मोहसिन रजा की अफसरों से तीखी नोकझोंक हो गई। मोहसिन ने आंवला भाजपा जिलाध्यक्ष पर आरोप लगाया और कहा कि यह मामला सिर्फ राजनीतिक है। वह 2005 में आईएमसी छोड़ चुके हैं। तौकीर रजा से कोई वास्ता भी नहीं है। मोहसिन ने कहा कि तौकीर रजा से उसका कोई वास्ता नहीं है। यह सब भाजपा आंवला जिलाध्यक्ष के कहने पर हो रहा है। उन्होंने पहले भी उन पर गोकशी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मोहसिन के पिता ने कोर्ट का स्टे ऑर्डर दिखाया तो टीम ने कार्रवाई रोकी। वहीं मोहसिन रजा और उसके भाई को हिरासत में ले लिया गया है। मोहसिन रजा के घर के सामने ही नाले पर अवैध चार्जिंग स्टेशन पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। बीडीए की टीम ने शाहजहांपुर रोड स्थित नरियावल में हमसफर बरातघर को सील कर दिया है। ये बरातघर शराफत का है, जो शहर के सूफीटोला का निवासी है और मौलाना तौकीर रजा का बेहद करीबी बताया जाता है। बीडीए की टीम मंगलवार को भारी पुलिस बल के साथ हमसफर बरातघर पहुंची और सीलिंग की कार्रवाई की। टीम ने नोटिस चस्पा किया है, जिसके मुताबिक अवैध तरीके से निर्माण करने पर यह कार्रवाई की गई है।

निर्दोषों पर नहीं होगी कोई कार्रवाई, उपद्रवियों को मिलेगी कड़ी सजा : अविनाश सिंह, जिलाधिकारी

बरेली। जिले में हाल ही में हुये घटनाघ्म को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने स्पष्ट किया है कि किसी भी निर्दोष व्यद्धि पर कोई कार्यवाही नहीं की जाएगी, लेकिन जो लोग माहौल को बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं, उनके खिलाफ कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि घ्बरेली की फिजा को किसी भी हाल में खराब नहीं होने दिया जाएगा। जनपद के नागरिक संयम रखें, कानून का पालन करें और किसी अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें।घ उन्होंने कहा कि ष्सरकार की नीति स्पष्ट है—अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और निर्दोष को छुआ भी नहीं जाएगा।ष जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने दो टूक कहा कि शहर की गंगा—जमुनी तहजीब को बक्शा नहीं जायेगा। कुछ असामाजिक तत्व लगातार माहौल को खराब करने की साजिश कर रहे हैं, विशेष रूप से नाबालिग बच्चों को बरगलाकर उन्हें पत्थर, असलाह और हथियार थमाने का प्रयास किया गया

है, जिसे प्रशासन गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की पहचान की जा रही है, जो पर्दे के पीछे से बच्चों को उकसाते हैं और खुद सुरक्षित रहते हैं। अब ऐसे किसी भी व्यद्धि को छोड़ा नहीं जाएगा। कुछ इलाकों में हुई कार्रवाई पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जो भी गिरफ्तारियां हो रही हैं, अवैध निर्माण चिन्हित और सील किये जा रहे हैं। वह वीडियो फुटेज, डिजिटल सबूत और पुख्ता जांच के आधार पर ही की जा रही हैं। किसी को केवल शक के आधार पर नहीं उठाया जा रहा। पूरी प्रध्यिा को लेकर पारदर्शिता बरती जा रही है। यदि किसी व्यद्धि की भूमिका संदिग्ध पाई जाती है तो उससे केवल पूछताछ की जाएगी, लेकिन साक्ष्य के बिना किसी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही नहीं होगी। जिलाधिकारी ने बरेली की जनता से शांति और सहयोग की अपील करते हुए कहा कि जनपद में अमन और सौहार्द की मिसाल रही है। आज भी आवश्यकता है कि हम सब मिलकर ऐसे तत्वों को नाकाम करें जो हमारी एकता को तोड़ना चाहते हैं और सौहार्द के वातावरण का बिगाड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी को कोई गलत सूचना मिले या कोई संदिग्ध गतिविधि दिखे, तो सीधे प्रशासन या पुलिस को सूचित करें, न कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाएं।

पीलीभीत में स्पीड पर नहीं लगाम

अंधाधुंध दौड़ते वाहन बने राहगीरों के लिए मुसीबत

पीलीभीत। शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार वाहन आए दिन हादसों की वजह बन रहे हैं। मुख्य चौराहों और सड़कों पर वाहनों की रफ्तार इतनी बेकाबू है कि पैदल चलने वालों के लिए सड़क पार करना चुनौती बन गया है। यातायात पुलिस की लापरवाही भी खुलकर सामने आती है। ड्यूटी के दौरान कई टैफिक पुलिसकमम चौराहों पर तैनात जरूर रहते हैं, लेकिन वे या तो किनारे बैठकर बातचीत करते नजर आते हैं या फिर मोबाइल चलाने में व्यस्त रहते हैं। नतीजा यह कि वाहन चालक बिना रोक–टोक स्पीड में दौड़ते हैं। रात के समय हालात और भी खराब हो जाते हैं। मुख्य चौराहों पर पुलिस की सघ्यिता न होने से वाहन बेकाबू रफ्तार से गुजरते हैं, जिससे गंभीर हादसे होने का खतरा लगातार बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर के चौराहों पर ऑटोमेटिक टैफिक सिग्नल लगाए जाने की जरूरत है, ताकि यातायात व्यवस्था सुधरे और हादसों पर लगाम लग सके।

पीलीभीत में भ्रष्टाचार के साए तले फल–फूल रहे झोलाछाप डॉक्टर

पीलीभीत। जिले में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत के चलते झोलाछाप डॉक्टर खुलेआम लोगों की सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। गांव–गली, कस्बों और मोहल्लों में इनका जाल इस कदर फैला हुआ है कि आमजन आसानी से इनके चंगुल में फंस जाता है। चघ्दोई, नावकुंड, कल्याणपुर, धनकुना, बरखेड़ा, अमरिया, जहानाबाद, कलीनगर, बीसलपुर और पूरनपुर क्षेत्रों में इन झोलाछापों का दबदबा साफ नजर आता है। सूत्रों के अनुसार, स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों और बाबुओं के संरक्षण में ये झोलाछाप न सिर्फ बिना डिग्री इलाज कर रहे हैं, बल्कि कलेक्शन सेंटर की आड़ में अपने डायग्नोस्टिक सेंटर भी चला रहे हैं। इससे न केवल गरीब और अनजान मरीजों की जान से खिलवाड़ हो रहा है, बल्कि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल भी खुल रही है। स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी से मांग की है कि ऐसे झोलाछाप डॉक्टरों और उन्हें संरक्षण देने वाले स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्ट कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

नवरात्र का व्रत रखने पर छात्राओं को बनाया मुर्गा

हाथरस। उनर प्रदेश के हाथरस जिले के सासनी क्षेत्र के गांव समामई स्थित कंपोजिट विद्यालय में विज्ञान शिक्षक डॉ. पुष्पेंघ सिंह पर नवरात्र का व्रत रखने वाली छात्राओं को मुर्गा बनाने का गंभीर आरोप लगा है। घटना की जानकारी मिलने पर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और जय श्रीराम के नारे लगाए। वायरल वीडियो के बाद पुलिस, तहसीलदार और शिक्षा विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने मामले की जांच के लिए ब्लॉक शिक्षा अधिकारी (बीईओ) को निर्देश दिए हैं। वायरल वीडियो में एक छात्रा ने दावा किया कि वह और अन्य छात्राएं नवरात्र का व्रत रखने और घर पर पूजा करने के कारण स्कूल देर से पहुंची थीं। उन्होंने शिक्षक को इसकी जानकारी दी, लेकिन शिक्षक ने उनकी बात अनसुनी कर सभी को मुर्गा बनने की सजा दी। वहीं, आरोपी शिक्षक डॉ. पुष्पेंघ सिंह ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने न तो किसी को मुर्गा बनाया और न ही धार्मिक भेदभाव किया। उनका कहना है कि वे केवल विज्ञान पढ़ाने पर ध्यान देते हैं ताकि छात्राओं का भविष्य बेहतर हो। हंगामे की सूचना पर पुलिस और तहसीलदार रजत कुमार मौके पर पहुंचे। तहसीलदार ने बताया कि छात्राओं से जानकारी ली गई है और जांच में दोषी पाए जाने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीएसए स्वाति भारती ने कहा कि बीईओ को जांच सौंपी गई है और उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। फिलहाल, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया है और मामले की जांच जारी है।

CM योगी पर आपनिजनक टिप्पणी करने का आरोपी गिरफ्तार

पीलीभीत। सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री के नाम आपनिजनक टिप्पणी करने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जहानाबाद थाना क्षेत्र के गांव निसरा निवासी एक युवक ने फेसबुक पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आपनिजनक फोटो बनाकर वायरल किया। टिप्पणी पोस्ट होते ही कुछ लोगों ने स्घीनशॉट ले लिए। मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणी होने की जानकारी मिलने पर एक समुदाय के लोगों में आघेश फैल गया। इसकी शिकायत कुछ लोगों ने जहानाबाद थाना पुलिस से की। सूचना मिलते ही जहानाबाद पुलिस हरकत में आई। पता चला कि टिप्पणी करने वाले निसरा गांव का इमरान रजा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रभारी निरीक्षक जहानाबाद प्रदीप कुमार विश्नोई ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

एक्सप्रेस व्यूज

(हिन्दी मासिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मोहित कुमार द्वारा ए. के प्रिंटर्स, मोहल्ला भूरे खां, पीलीभीत से मुद्रित कराकर म.नं. 87, मोहल्ला थान सिंह पीलीभीत (उ0प्र0) 262001 से प्रकाशित किया गया।

सम्पादक

मोहित कुमार

नोट : सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पीलीभीत न्यायालय होगा।